न्यूज़लेटर

31 जुलाई, 2026

अन्याय के सामने युवा डटकर खड़ा है

भारत की शिक्षा व्यवस्था वसूली की एक मशीन बन गई है जो मेहनती युवाओं से उम्मीदें छीन रही है। लाखों छात्रों के लिए सरकारी नौकरी ही आखिरी दरवाजा बचता है लेकिन पेपर लीक, सिस्टम में धांधली और RSS के कब्ज़े वाले संस्थानों की वजह से यह उम्मीद भी टूट जाती है।

इसके जवाब में देशभर के छात्र एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था बनाने की मांग को लेकर सामने आए। राहुल गांधी छात्रों के साथ पूरी एकजुटता से खड़े हुए। उन्होंने सिस्टम के इस गहरे संकट को उजागर किया, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ हिंसा की कड़ी निंदा की और जवाबदेही की मांग उठाई।

युवाओं के इस आंदोलन ने एक महत्वपूर्ण जीत हासिल की और धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन न्याय की यह लड़ाई यहीं खत्म नहीं होती। राहुल गांधी ने हिंसा के लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई, गृह मंत्री के इस्तीफ़े और प्रधानमंत्री से भारत के छात्रों से माफ़ी मांगने की मांग की है।

छात्रों की गूंज के बारे में यहां अधिक जानें।

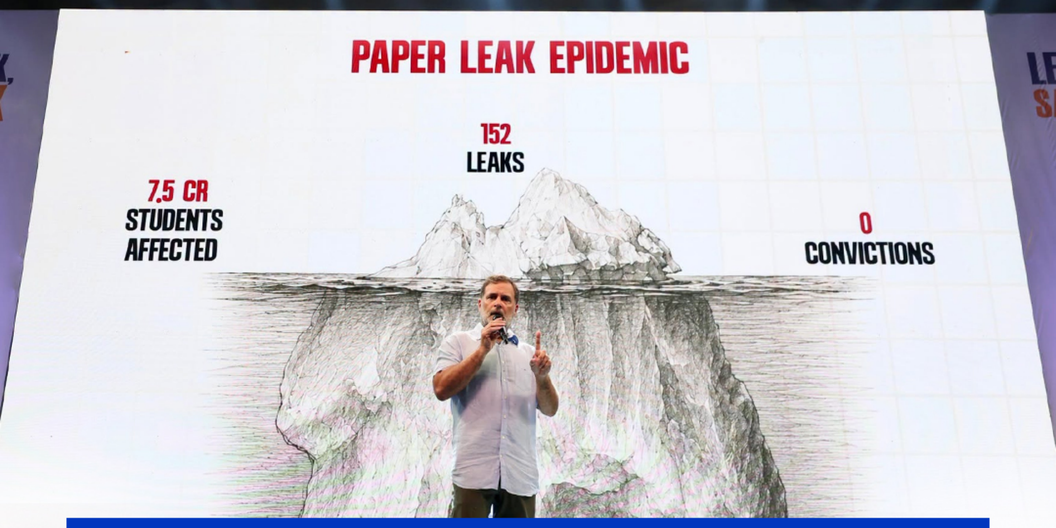

पेपर लीक की महामारी का पर्दाफाश

देहरादून में 'छात्रों की गूंज' रैली में छात्रों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बताया कि पेपर लीक किस तरह भारत के युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों के सामने अब दो रास्ते हैं: एक ईमानदारी और कड़ी मेहनत से बना मुश्किल रास्ता और दूसरा पैसा देकर और पेपर लीक के ज़रिए हासिल किया गया रास्ता। उन्होंने बताया कि 2014 से अब तक 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन आज तक एक भी आरोपी पर दोष साबित नहीं हुआ। राहुल गांधी ने पेपर लीक से प्रभावित छात्रों और उनके माता-पिता से भी बात की। उन्होंने छात्रों पर केंद्रित परीक्षा व्यवस्था, शिक्षा में RSS के नियंत्रण को खत्म करने और पेपर लीक से प्रभावित छात्रों को मुआवज़ा देने की मांग रखी।

रैली यहां देखें।

युवाओं के साथ विपक्ष एकजुट

20 जुलाई 2026 को देश भर से आए छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने दिल्ली पहुंचे। लेकिन उन्हें लाठीचार्ज, आंसू गैस और पेलेट गन का सामना करना पड़ा। इसके विरोध में, विपक्ष ने हिंसा के लिए जवाबदेही की मांग करते हुए प्रधानमंत्री आवास तक मार्च किया। राहुल गांधी ने प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ विपक्ष की एकजुटता को दोहराया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे सांसदों को हिरासत में ले लिया।

विरोध प्रदर्शन यहां देखें।

छात्र प्रदर्शनकारियों के लिए न्याय की मांग

राहुल गांधी ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए बर्बर हमले की कड़ी निंदा करते हुए उच्चतम स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, हिंसा के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई, तथा प्रधानमंत्री द्वारा देश के छात्रों से माफी मांगे जाने की मांग की।

इसके बाद राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस की पैलेट फायरिंग में घायल हुए 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचाब से मुलाकात की। उन्होंने इस घटना को स्वतंत्र भारत के माथे पर एक कलंक बताया और साहिल के साथ इस न्याय के संघर्ष में साथ खड़े होने का भरोसा दिलाया। राहुल गांधी ने दोहराया कि भारत के छात्रों की आवाज़ को बल प्रयोग और दमन के जरिए दबाया नहीं जा सकता।

मीडिया से बातचीत यहां देखें | प्रेस वार्ता यहां देखें

जवाबदेही केवल प्रधान के इस्तीफ़े पर खत्म नहीं हो सकती

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद संसद में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बार-बार हो रहे पेपर लीक, तेज़ी से बढ़ते निजीकरण और शिक्षण संस्थानों पर बढ़ते आरएसएस नियंत्रण ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है। जैसे ही उन्होंने छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई गोलीबारी के लिए गृह मंत्री को सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराना शुरू किया, स्पीकर और सत्ता पक्ष ने उन्हें बोलने से रोक दिया, उनका माइक बंद कर दिया और सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

इसके बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने वह बात पूरी की, जिसे उन्हें संसद में कहने से रोका गया था। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा केवल पहला कदम है। उन्होंने अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि जब तक छात्रों के खिलाफ हुई हिंसा के लिए ज़िम्मेदार हर एक व्यक्ति को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता, तब तक न्याय अधूरा रहेगा।

भाषण यहां देखें | प्रेस वार्ता यहां देखें

AMIT SHAH MUST GO

झलकियां

धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों के साथ मीडिया को संबोधित किया।

पुलिस की बर्बरता का शिकार हुए छात्रों के समर्थन में विपक्षी सांसदों के साथ गांधी स्मृति तक मार्च किया।

छात्र प्रदर्शनि में शामिल एक युवा- मोहम्मद इरफ़ान से दिल्ली में, उनके घर पर मुलाक़ात की। मोहम्मद का नज़रिया और जज़्बा भारत के युवाओं की हिम्मत और उम्मीद को दिखाता है।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद में विपक्षी सांसदों के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुआ।

छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई और पेपर लीक संकट पर चर्चा की मांग को लेकर लोकसभा स्पीकर से मुलाकात की।

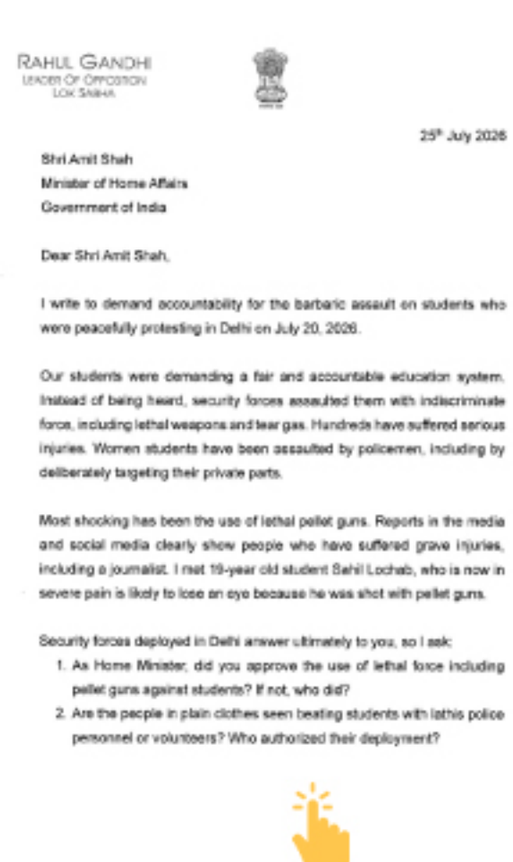

RAHUL GANDHI
LEADER OF OPPOSITION
LOK SABHA

25th July 2026

Shri Amit Shah
Minister of Home Affairs
Government of India

Dear Shri Amit Shah,

I write to demand accountability for the barbaric assault on students who were peacefully protesting in Delhi on July 20, 2026.

Our students were demanding a fair and accountable education system. Instead of being heard, security forces assaulted them with indiscriminate force, including lethal weapons and tear gas. Hundreds have suffered serious injuries. Women students have been assaulted by policemen, including by deliberately targeting their private parts.

Most shocking has been the use of lethal pellet guns. Reports in the media and social media clearly show people who have suffered grave injuries, including a journalist. I met 19-year old student Sahil Lochab, who is now in severe pain is likely to lose an eye because he was shot with pellet guns.

Security forces deployed in Delhi answer ultimately to you, so I ask:

1. As Home Minister, did you approve the use of lethal force including pellet guns against students? If not, who did?
2. Are the people in plain clothes seen beating students with lathis police personnel or volunteers? Who authorized their deployment?

दिल्ली में प्रदर्शनि के दौरान छात्रों पर हुए हमले के लिए जवाबदेही की मांग करते हुए गृह मंत्री को पत्र लिखा।

न्यूज़लेटर को सब्सक्राइब करने के लिए यहां क्लिक करें